दिव्यांग पुनर्वास शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान

वार्षिक प्रतिवेदन

2018-19

पता:
दिनारा रोड, दतिया स्टेशन के पीछे, जिला – दतिया, म०प्र० 475661
ईमेल– **ambujtiwari110@gmail.com**, मोबा०–**9424723750**

परिचय

दिव्यांग पुनर्वास शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान दिव्यांगता के क्षेत्र में बच्चों का सर्वांगीण विकास करने में तत्पर है और पिछले 22 वर्षो से बौद्धिक अक्षमता, श्रवण बाधित, आटिस्टक बच्चे एवं सेरेबल पल्सी बच्चों को सशक्त बनाने हेतु अध्ययनरत् बच्चों की क्षमता को बढ़ाने में लगातार प्रयास करता आ रहा है।

दिव्यांग पुनर्वास शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान का संचालन युनाइटेड नेशनल कनवेंशन ऑन दी राइट ऑफ पर्सन्स् विद् डिसेबिलिटीज् (यू.एन.सी.आर.पी.डी.) के अध्यादेश तथा दिव्यांग बच्चों के लिए प्रचलित सवैधानिक अधिनियम एवं राष्ट्रीय नीतियों के अनुसार किया जाता है।

एक उत्कृष्ट संस्था के रुप में संस्थान ने बौद्धिक निःशक्तता बच्चे, श्रवण बाधित बच्चे, आटिस्टक बच्चे एवं सेरेबल पल्सी वाले बच्चों की जिंदगी में समानता और गरिमा लाने के लिए अपने कार्य एवं सेवाओं के प्रत्येक पहलू में गुणवता में सुधार लाने हेतु शिक्षा, चिकित्सा , व्यवसायिक रोजगार, अवकाश एवं सामाजिक क्रियाकलाप, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं मानव संसाधन विकास सेवाओं में प्रतिपादित की।

MISSION, VISION, CORE VALUES:-

विशेषज्ञों के निरन्तर प्रयास द्वारा बौद्धिक निःशक्तता, श्रवणबाधित, सेरेबल पल्सी आटिज्म व्यक्तियों/बच्चो को वर्तमान आधुनिक पुर्नवास हस्तक्षेप जैसे शैक्षिक, थेरेप्टिक व्यवसायिक रोजगार, सामाजिक, खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम और जीवन में पूर्ण सहभागिता हेतु तैयार करना या अधिकृत बनना वा स्वाबलम्बन की ओर ले जाना।

VISION:-

अन्य नागरिकों की तरह हर मानसिक मंद, श्रवण बाधित, सेरेबल पल्सी, व्यक्ति का जीवन भी उतना ही विशेष है, जितना अन्य सामान्य व्यक्तियों का। पुर्नवास सेवाओं द्वारा उन्हें अत्याधिक मात्रा में स्वतंत्र जीवन व्यतीत करने हेतु प्रोत्सहित करना। समाज में दिव्यांग अपने पैरों पर खड़ा होकर, स्वाबलम्बी जीवन व्यतीत करें, संस्था का यह संकल्प है।

दिव्यांगजनों के समग्र पुर्नवास में संस्था निम्नांकित उद्देश्यों को लेकर कार्यरत है.

1. दिव्यांगता की रोकथाम, शीघ्र पहचान एवं उपचार।
2. चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराना।
3. दिव्यांग बच्चों हेतु विशेष शिक्षा सुविधा।
4. दिव्यांग जनों का सामाजिक एवं आर्थिक पुर्नवास।
5. दिव्यांग जनों के प्रति किये जा रहे व्ययवहार में बदलाव लाने हेतु सामाजिक चेतना जागृत करना एवं उन्हें समाज की मुख्य–धारा से जोड़ना।

संस्था में संचालित कार्यक्रमः–

1. शीघ्र पहचान ।
2. विशेष शिक्षा ।
3. प्रारंम्भिक मध्यस्थता सेवांए ।
4. समावेशित शिक्षा ।
5. वाक् श्रवण मूल्यांकन एवं प्रशिक्षण।
6. मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं परामर्श।
7. सामाजिक पुर्नवास एवं गृह आधारित सेवा ।
8. व्यवहार परिवर्तन एवं प्रबंधन।
9. मार्गदर्शन एवं परामर्श ।
10. व्यवसायिक प्रशिक्षण ।
11. समुदाय आधारित पुर्नवास ।
12. समूह क्रियाकलाप ।
13. व्यवसायिक एवं भौतिक चिकित्सा।
14. संसाधन कक्ष ।

वर्ष 2018–19 में 73 नए केस पंजीकृत किए गए जिसमें से 60 बच्चों को संस्था में प्रवेश देकर पुर्नवास सेवाए प्रदान की गई ।

संस्था में वर्ष 2018–19 प्रतिदिन प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले विशेष बच्चों की संख्या – 216

क.	विवरण	वर्ष 2017 – 18 में विशेष बच्चों की संख्या	वर्ष 2018–19 में विशेष बच्चों की संख्या
1	बौद्धिक निःशक्तता	78	81
2	श्रवण बाधित	109	118
3	अस्थि बाधित	15	17
	कुल	202	216

बौद्धिक निःशक्त बच्चों के लिए इकाई –

बौद्धिक निःशक्तता एक जीवन भर की स्थिति है। और इसका दवाईयों द्वारा इलाज नहीं है । अनुसंधान में यह बताया गया है कि सही तरह की सेवाओं/प्रशिक्षण द्वारा ही इसकी रोकथाम संभव है, जिससे बौद्धिक निःशक्तता व्यक्ति अपना जीवन स्वतंत्र रुप से गुजार सकता है। इनको दी जाने वाली सेवाएं है – स्वयं की देखभाल, प्रारंभिक हस्तक्षेप, शिक्षा, चिकित्सा, व्यवसायिक प्रशिक्षण, रोजगार , अवकाश कालीन क्रियाकलाप।

बौद्धिक निःशक्त बच्चों का विभिन्न कौशल जैसे दैनिक जीवन के क्रियाकलाप , पठन लेखन कौशल, धन, समय संज्ञानात्मक कौशल में क्रियाकलाप के वर्तमान स्तर का मूल्यांकन किया जाता है। मूल्यांकन की सभी अवस्थाओं , व्यक्तिगत , शैक्षणिक कार्यक्रम के योजना एवं क्रियान्वन में अभिभावकों को सम्मलित किया जाता है। सीखने के लिए समुचित सहायता सामाग्री उपकरण/थैरेपी उपयोग में लाए जाते है। बौद्धिक निःशक्त बच्चों को विभिन्न रोजगार का प्रशिक्षण देकर रोजगार पर लगाया जाता है।

विशेष बच्चों हेतु Multisensory Therapy Unit भी है। जिसमें बौद्धिक निःशक्त बच्चे आटिस्टक एवं सेरवल पॉल्सी बच्चे बहुसंवेदी क्रिया कलापों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है।

बहसंवदी थैरपी कक्ष

श्रवण बाधित बच्चों के लिए इकाई –

श्रवण बाधित बच्चों को माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल के पाठ्यक्रम के अनुसार उन्हें शैक्षणिक कौशलों का प्रशिक्षण दिया जाता है। संस्था में श्रवण बाधित बच्चों के लिए नर्सरी से लेकर 12वीं तक की कक्षाएं संचालित है। श्रवण बाधित बच्चों को स्मार्ट क्लास के माध्यम से शिक्षा दी जाती है। साथ ही श्रवण बाधित बच्चों के शिक्षा हेतु पूर्ण सम्प्रेषण विधि एवं क्रियाकलाप आधारित शिक्षा (activity base learning) विधि का प्रयोग किया जाता है।

वर्ष 2018–19 में दसवीं में 8 श्रवण बाधित बच्चों ने हायर सेकेड्री की परीक्षा द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण की एवं 6 विशेष बच्चों ने कक्षा 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की।

प्रमस्तिष्क पक्षपात बच्चों के लिए इकाई –

यह इकाई प्राथमिक कक्षा, माध्यमिक कक्षा और पूर्व व्यवसायिक कक्षा में विभाजित है। प्राथमिक कक्षा में बच्चों को क्रियात्मक प्रशिक्षण दिया जाता है। जिसमें व्यक्तिगत , सामाजिक, प्रशासनिक व्यवसायिक और सृजनात्मक क्रियाएं मुख्य है। माध्यमिक कक्षा में पारिवारिक , प्रशासनिक एवं व्यवसायिक कुशलता के विकास का प्रशिक्षण दिया जाता है। पूर्व व्यवसायिक कक्षा में संस्था में ही व्यवसायिक प्रशिक्षण का प्रावधान किया गया है।

सेरेबल पॉल्सी बच्चों हेतु शिक्षा शैक्षणिक भ्रमण –

विशेष बच्चों को प्रत्यक्ष अनुभव का लाभ देने के लिए प्रतिमाह शैक्षणिक भ्रमण कराया जाता है। शैक्षणिक भ्रमण पाठ्यक्रम की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। विशेष बच्चों के लिए क्रियाकलाप व मनोरंजन के माध्यम से सीखना, शिक्षा/प्रशिक्षण का सबसे अच्छा तरीका है। भ्रमण करने से बच्चों में शारीरिक व मानसिक विकास के साथ सामाजिक विकास एवं आत्मविश्वास का विकास होता है। बौद्धिक निःशक्त बच्चों को पार्क, मंदिर, गुरूद्वारा, चर्च, होटल एवं श्रवण बाधित बच्चों को भी पार्क, मंदिर, गुरूद्वारा, चर्च बाजार, मॉल, रेस्टोरेन्ट, रेलवे स्टेशन, बैंक इत्यादि का भ्रमण कराया गया। भ्रमण को तीन भागो में बांटा गया। भ्रमण की तैयारी, भ्रमण एवं अनुवर्ती भ्रमण जिसमें बच्चों ने भ्रमण से सम्बंधित अपने अनुभवों को सबके साथ बांटा।

4 दिसम्बर 2018 अंतर्राष्टीय विश्व विकलांग दिवस के उपलक्ष्य में संस्था के दिव्यांग बच्चों द्वारा एक अवेयरनेस रैली सदर बाजार में निकाली गयी। सभी बच्चों और स्टाफ ने इस रैली में भाग लिया। दिव्यांगता अभिशप नहीं ंयह संदेश समाज को देने के उद्देश्य के साथ ये रैली निकाली गई।

6 दिसम्बर 2018 को संस्था में दिव्यांग बच्चों को नदी के तट पर ले जाकर प्रवासी पक्षियों को दिखाया गया और उनके बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। बच्चों ने पक्षियों को दाना भी खिलाया। पक्षियों का चहचहाना सुन और उनके बारे में जानकर बच्चे बहुत प्रसन्न हुए।

व्यावसायिक प्रशिक्षण –

दिव्यांग बच्चों की रूचि व प्रतिभा को पहचानने व ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान समय का सदुपयोग करने के उद्देश्य से दिव्यांग पुनर्वास शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान एवं युवा कदम संस्था के संयुक्त तत्वाधान में 15 दिवसीय समर कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें पहली बार सामान्य बच्चों और दिव्यांग बच्चों ने मिलकर नृत्य, गायन, वादन, चित्रकला, माइम एवसं आर्ट एण्ड क्राफ्ट का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कैम्प का समापन 27 अप्रैल 2019 को शाला में किया गया। जिसमें दिव्यांग एवं सामान्य बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रमुख पत्रकार श्री रविन्द्र वाजपेयी एवं विशिष्ट अतिथि श्री योगेश गनोरे रहे। शहर के कई गणमान्य नागरिको ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति देकर दिव्यांग बच्चों की प्रस्तुतियों को उत्साहपूर्वक देखा एवं उनके द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की प्रशंसा की।

समर कैम्प 2019

11 अप्रैल 2018 से 13 अप्रैल 2018 तक संस्था में आर्ट एंड क्राफ्ट फेविकृल वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में फेविक्रल कार्य की जानकारी प्रियंका शर्मा और नीतू शर्मा जी द्वारा बच्चों की नीयान वर्क, ज्वेलरी आर्ट इत्यादि विधाएं सिखाई गई।

दिव्यांग पुनर्वास शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान में संस्था के दिव्यांग बच्चों को रोटरी क्लब की सेकेट्री हर्षित झंगियानी जो कि फैशन डिजाइनर है एवं सदस्यों के द्वारा एक वर्कशॉप करके बच्चों का राखी औरग्रीटिंग कार्ड्स बनाना सिखाया गया।

स्वत्रंतंता दिवस

15 अगस्त 2019 को हर्षउल्लास के साथ दिव्यांग पुनर्वास शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान में बच्चों ने रोटरी क्लब के सदस्यों के साथ मिलकर 72वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। कर्नल ए.के. सिंह द्वारा संस्था प्रांगण में सुबह तिरंगा फहराया गया। राष्ट्रगान के बाद बच्चों ने पी टी एवं डांस की भी प्रस्तुतियां प्रस्तुत की। जिसने अतिथियों का मन मोह लिया। पुनीता हांडा जी एवं शिखा हांडा जी द्वारा श्रीमती संतोष मारवाह जी की स्मृति में स्मार्ट क्लास हेतु टी.वी. और कम्प्यूटर डोनेट किया। जिसका उद्घाटन भी कर्नल सिंह द्वारा कर उसे स्कूल को समर्पित किया।

जन्माष्टमी

31 अगस्त 2018 को दिव्यांग पुनर्वास शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान के दिव्यांग बच्चों और ईडन किड्स केअर स्कूल के बच्चों ने रोटरी क्लब ऑफ क्वीन के सहयोग से जन्माष्टमी के उपलक्ष्य मे बेस्ट परिधान में सुसज्जित राधा ओर बेस्ट कृष्णा कम्पीटीशन में भाग लिया। अलग–अलग उम्र के बच्चों हेतु यह प्रतियोगिता आयोजित की गई। स्पेशल बच्चों और सामान्य बच्चों की ये फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में उपस्थित जनो को हम किसी से कम नहीं का संदेश दिया।

रक्षाबंधन

26 अगस्त 2018 संस्था के दिव्यांग बच्चो ने राखी का त्यौहार मनाया। इस अवसर पर बेस्ट भाई बहनजोड़ी का कम्पीटिशन रखा गया। मूक बधिर बच्चों का मेंहदी लगाओ प्रतियोगिता और 5 लाइन राखी के त्यौहार के विषय में लिखने और राखी से संबंधित सामग्री को फोटो से पहचानकर नाम लिखने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संस्था द्वारा विजेता बच्चों को पुरूस्कार भी दिए गए।

दीपावली त्यौहार

5 नवम्बर 2018 को संस्था के दिव्यांग बच्चों ने दीपावली बड़े ही हर्षोउल्लास के साथ मनाई। पहले संस्था के शिक्षको द्वारा दीपावली क्यों मनाते है बच्चों को बताया गया। फिर बच्चों से इस त्यौहार के बारे में उनके विचारों को जाना गया। दीपावली की पूजा के लिए रंगोली भी बच्चों द्वारा बनाई गई। पूजा आरती के बाद फाटाके जला कर बच्चों को फुलझडियों के पैकेट्स दिए गए। ब्राहमण महिला परिषद के सदस्यों द्वारा भी बच्चों के साथ फटाके जला कर दीपावली मनाई गई।

वर्ल्ड डाऊन सिंड्रोम डे

19 मार्च 2019 को शाला में अध्ययनरत डाउन सिंड्रोम बच्चों के साथ वर्ल्ड डाउन सिंड्रोम डे मनाया गया। सेना के वीर जवानों को श्रधांजलि देने हेतु कुछ बच्चों ने सेना की यूनिफार्म पहनकर समाज को संदेश दिया कि हम भी किसी से कम नही ंहम मैं भी देश प्रेम का जज्बा है। बच्चों को समदड़िया मॉल ले जाकर डाउन सिंड्रोम बच्चों के बारे में लोगो को जागरूक किया गया डाऊन सिड्रोम व्यक्तियों के बारे में जागरूकता लाई गई। मिलेट्रीकी ड्रेस पहने उन बच्चों से वहा मौजूद लोगो ने हाथ मिलाने हेतु इक्छुक हुए।

शाला के मूक बधिर स्टूडेन्ट्स ने विश्व सांकेतिक भाषा दिवस के उपलक्ष्य में सांकेतिक भाषा के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सिविल लाईन ले जाकर सामान्य बच्चो के साथ प्रार्थना कर सांकेतिक भाषा में राष्ट्रगान गाया। उसके बाद उनके क्लास रूम में जाकर आपसी बातचीत करने के तरीके बताकर उनसे मित्रता भी की। उन बच्चों ने हमारे बच्चों से कई प्रश्न पूछे जिसका दिव्यांग बच्चों ने सांकेतिक भाषा में जवाब भी दिया। सांकतिक भाषा क्या है उसका महत्व क्या है इसके बार मं विशेष शिक्षिकाएँ श्रीमती उषा सिंह, श्रीमती आरती गुप्ता एवं श्रीमती बेबी रोशन ने सामान्य बच्चों

को समझाकर उनसे बच्चों की बातें करवाई।

विश्व बधिर दिवस

विश्व बधिर सप्ताह कार्यक्रम तीन चरणों में संपन्न हुआ। पहले पेरेन्ट्स ने अपने बच्चों के अनुभव और शाला के योगदान पर अपने विचार रखे। उसके बाद रोटरी क्लब क्वीन की अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका श्रीवास्तव द्वारा संस्था के दिव्यांग बच्चों का रोटरी इंटरनेशनल द्वारा चलित बच्चों का इंटरेक्ट क्लब बनाया। बच्चों की इंटरेक्ट की मेम्बरशिप के बैच लगाकर मेम्बरशिप प्रदान की गई। पुनीत हांडा द्वारा इंटरेक्ट क्लब की जानकारी दी गयी। महासचिव बलदीप मैनी द्वारा पेरेंन्ट्स को संस्था में अपने विश्वास के लिये धन्यवाद देते हुए टीचर्स को उनक समर्पण हेतु भी धन्यवाद दिया और अपने अनुभवों को बताया। बच्चों द्वारा वर्ल्ड हार्ट डे के अवसर पर हार्ट से संबंधित पोस्टर बनाकर डिस्प्ले किये गये। विजेता बच्चों को पुरूस्कार दिए गये। प्राचार्या कोयली सेन द्वारा बधिर लोगों द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी गयी।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

इंटरनेशनल वीमेन दिवस के उपलक्ष्य में मानस भवन में दिव्यांग पुनर्वास शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा दिव्यांग हीरोज 2019 का आयोजन किया गया। जिसमें भारत वर्ष से 180 दिव्यांग बच्चों ने भाग लिया। जिन्होंने फ़ैशन शो में भाग लेकर अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। समारोह के मुख्य अतिथि श्री लखन घनघोरिया सामाजिक न्याय मंत्री मध्यप्रदेश थे। जहां पर समाज सेवा के कार्यो के कारण संस्था के महासचिव श्री बलदीप मैनी जी को सम्मानित किया गया। वहीं शाला प्राचार्या श्रीमती कोयली सेन का भी सम्मान किया गया। दिव्यांग पुनर्वास शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान गौरव के क्षण स्कूल के 25 दिव्यांग बच्चों ने शिक्षिका आरती गुप्ता, सुनीता रजक, संगीता, तरनजीत के नेतृत्व में डांस की प्रस्तुतियां दे कर दर्शकों का मन मोह लिया।

स्वास्थ्य परीक्षण

23 जुलाई 2018 को दिव्यांग पुनर्वास शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान में ब्रहिमण महिला परिषद द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में डॉक्टर्स द्वारा बच्चों और स्टॉफ का हीमोग्लोबिन टेस्ट करवाया गया। साथ में बरसात के मौसम में बच्चों को बीमारियों से बचाव के तरीके बताए गए।

सहयोग– **DONATE TODAY FOR BETTER FUTURE**

25 जुलाई 2018 को दिव्यांग पुनर्वास शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान में इनर व्हील क्लब के सहयोग से रोटेरियन सुखवर्षा सहगल जी द्वारा 30 दिव्यांग गरीब बच्चों को कॉपी किताबों का वितरण किया गया। श्री बलदीप मैनी द्वारा सभी का स्वागत करते हुए इस महतवपूर्ण योगदान हेतु उन्हें धन्यवाद दिया।

13 अगस्त 2018 को दिव्यांग पुनर्वास शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान के 140 दिव्यांग बच्चों को श्री अभिषेक चौकसे चिंटू उपाध्याय द्वारा स्कूल बैग्स उपहार स्वरूप दिए गए। श्री बलदीप मैनी द्वारा इस पुनीत कार्य हेतु श्री चिंटू चौकसे जी को धन्यवाद दिया गया।

स्कूल बैग्स का वितरण

13 अगस्त 2018 को माननीय विवेक कृष्ण तन्खा जी द्वारा दिव्यांग पुनर्वास शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान में दिव्यांग बच्चों हेतु एक नई बस को डोनट किया। बस को प्राप्त कर स्कूल के बच्चों और बच्चों ने खुशी जताते हुए श्री तंखा जी को इस नई बस हेतु धन्यवाद देते हुए उनके व परिवार के स्वस्थ्य जीवन की कामना की।

ACTIVITIES PERFORMED RELATED TO THE NATIONAL TRUST DISABILITIES YEAR - 2018-19

दिव्यांग पुनर्वास शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान स्कूल विगत कई वर्षो से दिव्यांग बच्चों क समग्र पुर्नवास हेतु प्रयासरत है।

संस्था में उपलबध सुविधाएँ–

1. शीघ्र पहचान
2. विशेष शिक्षा
3. प्रारंम्भिक मध्यस्थता सेवांए
4. समावेशित शिक्षा
5. वाक् श्रवण मूल्यांकन एवं प्रशिक्षण
6. मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं परामर्श
7. सामाजिक पुर्नवास एवं गृह आधारित सेवा
8. व्यवहार परिवर्तन एवं प्रबंधन
9. मार्गदर्शन एवं परामर्श
10. व्यवसायिक प्रशिक्षण
11. समुदाय आधारित पुर्नवास
12. समूह क्रियाकलाप
13. व्यवसायिक एवं भौतिक चिकित्सा
14. संसाधन कक्ष